कुछ भ्रामक/द्विअर्थी शब्द और जुमले

... जिनसे बचना चाहिए

हमारी राय में कई अल्फ़ाज़ और जुमले ऐसे हैं जिनका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसकी वजह ये है कि या तो उनका मतलब पूरी तरह साफ़ नहीं है या उनसे ऐसे अर्थ उभर सकते हैं जिनसे हो सकता है आप पूरी तरह सहमत न हों।

'मुफ़्त में' (For free)

अगर आप कहना चाहते हैं कि कोई ख़ास प्रोग्राम मुक्त है तो कृपया कभी ये न कहें कि वह 'मुफ़्त में' उपलब्ध है। दरअसल 'मुफ़्त में' का एकदम सटीक मतलब ये है कि संबंधित प्रोग्राम का 'कोई दाम नहीं है'। मगर मुक्त सॉफ़्टवेयर का ताल्लुक़ दरअसल आज़ादी से है, न कि क़ीमत से।

मुक्त सॉफ़्टवेयर की कॉपी अक्सर मुफ़्त में उपलब्ध होती है — जैसे एफ़टीजी के मार्फ़त डाउनलोड कर लेना। मगर मुक्त सॉफ़्टवेयर की कॉपी सीडी रॉम की क़ीमत के एवज़ में भी उपलब्ध होती हैं; दूसरी तरफ़ मालिकाना सॉफ़्टवेयर की कॉपी भी प्रचार के लिए अक्सर मुफ़्त में बांटी जाती हैं, और कुछ मालिकाना सॉफ़्टवेयर कुछ ख़ास उपभोक्ताओं को सामान्यतः निःशुल्क उपलब्ध होते हैं।

बहरहाल, उलझन या दुविधा से बचने के लिए आप कह सकते हैं कि फ़लां प्रोग्राम "बतौर मुक्त सॉफ़्टवेयर" उपलब्ध है।

'फ़्रीवेयर' (Freeware)

क्योंकि मुक्त सॉफ़्टवेयर को अंग्रेज़ी में "फ़्री सॉफ़्टवेयर" कहा जाता है इसलिए कई लोग इसे 'फ़्रीवेयर' भी कहने लगे हैं। परंतु यह नामकरण ठीक नहीं है। अस्सी के दशक में 'फ़्रीवेयर' शब्द उन प्रोग्रामों के लिए इस्तेमाल होता था जो केवल बतौर executable जारी किए जाते थे और उनके स्रोत (सोर्स) कोड उपलब्ध नहीं होते थे। आज इसकी ऐसी कोई परिभाषा उपलब्ध नहीं है जिस पर व्यापक सहमति हो।

इसके अलावा यदि आप अंग्रेज़ी को छोड़कर कोई दूसरी भाषा इस्तेमाल करते हैं तो 'फ़्री सॉफ़्टवेयर' या 'फ़्रीवेयर' जैसे शब्दों की नक़ल करने से बचें। इसके लिए ऐसे शब्दों को प्रचलन में लाने की कोशिश करें जो आपकी भाषा में पहले से ही मौजूद हैं क्योंकि किसी भी ज़बान में आज़ादी के पर्यायवाची शब्दों की कोई कमी नहीं है।

अपनी ज़बान में कोई शब्द गढ़ कर आप यह साफ़ कर देते हैं कि आप वाक़ई आज़ादी की बात कर रहे हैं, न कि किसी रहस्यमयी मार्केटिंग रणनीति के फ़ॉर्मूले उगल रहे हैं। हो सकता है शुरु में आपके यहां के लोगों को इस सिलसिले में आज़ादी की बात बड़ी बेतुकी लगे, मगर जल्दी ही वे भी इसके आदी हो जाएंगे और मुक्त सॉफ़्टवेयर के पीछे निहित असल संदेश को समझने लगेंगे।

दान का सॉफ़्टवेयर (Give Away Software)

यदि आप 'give away' शब्द का प्रयोग **'एक प्रोग्राम को मुक्त सॉफ़्टवेयर के रूप में वितरित करने'** के अर्थ में करना चाहते हैं तो यह ग़लत है। इस शब्द के साथ भी वही समस्या खड़ी हो जाती है जो 'मुफ़्त में' के साथ थीः ऐसा लगता है मानो मुद्दा क़ीमत का है, न कि आज़ादी का। इस भ्रम से निपटने का एक तरीक़ा यह है कि आप कहें कि 'मुक्त सॉफ़्टवेयर के रूप में जारी किया गया'।

'बौद्धिक संपदा' (Intellectual Property)

प्रकाशक और वकील कॉपीराइट को 'बौद्धिक संपदा' कहना पसंद करते हैं। इस बोझिल शब्दावली में यही भाव निहित है कि सॉफ़्टवेयर भी भौतिक वस्तुएं हैं; उन्हें भी उसी तरह अर्जित, संचित और संरक्षित किया जा सकता है।

परंतु यह तुलना ठोस वस्तुओं और सूचना के बीच सबसे अहम फ़र्क़ की अनदेखी कर देती है। ये फ़र्क़ यह है कि जहां एक तरफ़ सूचनाओं के आदान-प्रदान और उनकी कॉपी करने में तक़रीबन कोई प्रयास नहीं करना पड़ता वहीं ठोस चीज़ों के साथ ऐसा नहीं है। अपने सोच को इस सादृश्य के आधार पर विकसित करने का मतलब ही है इस फ़र्क़ की अनदेखी कर देना।

यहां तक कि अमेरिकी क़ानून भी इस तुलना को पूरी तरह स्वीकार नहीं करता क्योंकि वहां के क़ानून में कॉपीराइट को ठोस वस्तुओं के संपत्ति अधिकारों की तरह नहीं देखा जाता है।

अगर आप इस तरह की बौद्धिक क़ैद में नहीं रहना चाहते हैं तो बेहतर होगा कि आप शब्द और विचार — दोनों स्तर पर 'बौद्धिक संपदा' की चर्चा भी करना छोड़ दें।

'बौद्धिक संपदा' के साथ एक और समस्या है। 'बौद्धिक संपदा' की अवधारणा में कॉपीराइट, पेटेंट, और ट्रेडमार्क जैसी कई न्यायिक व्यवस्थाओं का सामान्यीकरण करने की कोशिश की गई है जबकि हक़ीक़त में इन सबके बीच समानताएं कम और फ़र्क़ ज़्यादा हैं। क़ानून की इन बारीकियों की अच्छी जानकारी और उनके बीच फ़र्क़ को समझे बग़ैर ग़लत-सलत नतीजों पर पहुंचने का ख़तरा बरक़रार रहेगा।

विभ्रम से बचने का सबसे बढ़िया तरीक़ा यही है कि आप 'बौद्धिक संपदा' कहने के वैकल्पिक तरीक़ों की तलाश करना छोड़ दें। इसकी जगह कॉपीराइट, पेटेंट या किसी दीगर क़ानूनी व्यवस्था की बात करना बेहतर रहेगा।

'जालसाज़ी' (Piracy)

प्रकाशक पाबंदीशुदा नक़ल को अंग्रेज़ी में अक्सर 'पायरेसी' या 'जालसाज़ी' ही कहते हैं। अगर व्युत्पत्ति पर ध्यान दें तो मतलब ये निकलता है कि नैतिक स्तर पर ग़ैरक़ानूनी नक़ल करना समुद्र में यात्रा करने वाले जहाज़ों पर हमला करने, और उन पर सवार लोगों को अगवा और क़त्ल कर देने के बराबर है।

अगर आप ग़ैरक़ानूनी नक़ल को अगवा करने या क़त्ल करने जैसा जघन्य अपराध नहीं मानते हैं तो बेहतर होगा कि आप उसे 'पायरेसी' न कहें। इसकी बजाय वहां आप 'पाबंदीशुदा कॉपीईंग' या 'प्रतिबंधित कॉपीईंग' या 'अनधिकृत कॉपीईंग' जैसे निरपेक्ष शब्दों का इस्तेमाल करें। हमारे जैसे कुछ लोग 'सूचनाओं को अपने पड़ोसी के साथ बांटने' जैसे सकारात्मक जुमले का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

'हिफ़ाज़त' (Protection)

प्रकाशकों के वकील कॉपीराइट के संदर्भ में 'हिफ़ाज़त' शब्द का प्रयोग बड़े प्यार से करते हैं। इस शब्द में विध्वंस या पीड़ा से बचाने का आशय निहित है। यह शब्द आपको कॉपीराइट के लाभान्वित पक्ष — मालिक और प्रकाशक के साथ खड़ा कर देता है न कि उपभोक्ताओं के साथ, जिनकी आज़ादी पर कॉपीराइट से अंकुश लग जाता है।

'हिफ़ाज़त' से परहेज़ करते हुए तटस्थ क़िस्म के शब्दों का इस्तेमाल करना कठिन नहीं है। मिसाल के तौर पर अगर आप 'कॉपीराइट की हिफ़ाज़त लंबे समय तक क़ायम रहती है' के स्थान पर कहें कि 'कॉपीराइट लंबे समय तक क़ायम रहता है' — तो क्या परेशानी है? दूसरी तरफ़ यदि आप कॉपीराइट का समर्थन करने की बजाय उसकी आलोचना करना चाहते हैं तो "क़ॉपीराइट की पाबंदियों" जैसे मुहावरों का प्रयोग कर सकते हैं।

बिकाऊ सॉफ़्टवेयर (Sell Software)

'बिक्री का सॉफ़्टवेयर' अस्पष्ट उक्ति है। क़ायदे से देखा जाए तो पैसे लेकर प्रोग्राम की नक़ल की लेन-देन करना 'बेचना' ही है; लेकिन 'बेचना' शब्द जनमानस में सॉफ़्टवेयर के बाद के इस्तेमाल पर लगे मालिकाना प्रतिबन्धों से जुड़ा है। भ्रम से बचने के लिए, मंतव्य के मुताबिक़ आपका यह कहना कि यह 'शुल्क लेकर उपलब्ध कराई गई प्रति' है या फिर 'प्रोग्राम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा' है, ज़्यादा सटीक होगा।

'चोरी' (Theft)

कॉपीराइट के हिमायती स्वत्वाधिकार/कॉपीराइट के उल्लंघन की बात करते हुए 'चुरा लिया' और 'उड़ा लिया' जैसे जुमलों का खुलकर इस्तेमाल करते हैं। साथ ही वे चाहते हैं कि हम क़ानून को नैतिकता का नियामक भी मानें। यानी हम मान लें कि यदि कॉपी करने पर पाबंदी है तो कॉपी करना ग़लत ही होगा। इसलिए इस बात का उल्लेख करना प्रासंगिक है कि कम से कम अमेरिकी क़ानून कॉपीराइट के उल्लंघन को 'चोरी' नहीं मानता।

'चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने वाले कॉपीराइट के पैरोकार असल में उस सत्ता की ग़लत नुमाइंदगी करते हैं जिसके दरवाज़े पर वे गुहार लगाते हैं। ये ग़लतफ़हमी बहुत बड़े पैमाने पर है कि क़ानून ही सही या ग़लत तय करता है। वस्तुतः क़ानून अपने आप में अधिक से अधिक न्याय उपलब्ध कराने का प्रयास भर है। यह कहना कि क़ानून न्याय या नैतिक आचार की परिभाषा है — चीज़ों को सिर के बल खड़ा कर देना है।

अनुवादः योगेन्द्र दत्त